काया नगर रे ओले डोले ज्ञान पपैया बोले भजन लिरिक्स

काया नगर रे ओले डोले,
ज्ञान पपैया बोले,
अरे काया नगर रे ओलें डोले,
ज्ञान पपैया बोले,
अरे प्रेम पपैया बोले रे,
ए ज्ञान पपैया बोले रे,
हा ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

अरे गगन मंडल में नदियाँ बेवे,
मेला कपडा धोवे रे,
अरे गगन मंडल में नदियाँ बेवे,
मेला कपडा धोवे रे,
बिन साबुन थारो मेल उतरसी,
बिन साबुन थारो मेल उतरसी,
त्रिवेणी रो काई रेवे रे,
हा काया नगर रे ओलें डोले,
ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

अरे कागज़ री एक जहाज बनायी,
समंदर बीच मे तिराई रे,
अरे कागज री एक जहाज़ बनायी,
समंदर माय तिराई रे,
अरे धर्मी होतो तीर जावे,
धर्मी होतो तीर जावे,
पापी जग जग बोय रे,
हा काया नगर रे ओलें डोले,
ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

अरे ज्ञान गाठडी पडी चौक में,
आंधा मूर्ख डोले रे,
अरे ज्ञान गाठडी पडी चौक में,
आंधा मूर्ख डोले रे,
अरे सतगुरु वेतो खोल बतावे,
सतगुरु वेतो खोल बतावे,
बिना गुरू कुण खोले रे,
हा काया नगर रे ओलें डोले,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

अरे सतगुरु म्हारा अंतरयामी,
वारा दर्शन करले रे,
अरे सतगुरु म्हारा अंतरयामी,
वारा दर्शन करले रे,
अरे मीरा कहे प्रभु गिरधर नागर,
मीरा कहे प्रभु गिरधर नागर,
अरे हरि कृपा सुख होवे रे,
हा काया नगर रे ओलें डोले,
ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

काया नगर रे ओले डोले,
ज्ञान पपैया बोले,
अरे काया नगर रे ओलें डोले,
ज्ञान पपैया बोले,
अरे प्रेम पपैया बोले रे,
ए ज्ञान पपैया बोले रे,
हा ज्ञान पपैया बोले रे।bd।

गायक – मोईनुद्दीन जी मनचला &
प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com